Hin 1A05b 2012-13

हमारे दोस्त की शादी

पिछले सोमवार हमारे पुराने दोस्त राजीव की शादी थी। हम लोग भी गए। हम राजीव को करीब साढ़े आठ सालों से जानते हैं। पहले लखनऊ में एक ही अखबार के लिए काम करते थे। राजीव एक बहुत मेहनती पत्रकार था। उसे खेलों की दुनिया के बारे में सब कुछ पता था। क्रिकेट और बैडमिन्टन का अच्छा खिलाड़ी भी था। हिन्दी और अंग्रेज़ी के अलावा उर्दू भी जानता था। एक दिन दफ़्तर में हुई एक पार्टी में वह वर्षा नाम की एक लड़की से मिला। वर्षा तब नई - नई ही आफ़िस में आई थी। अखबार के चीफ़ एडिटर की सेक्रेटरी थी। बहुत सुन्दर थी और साथ में लायक भी। दोनों जल्दी ही एक दूसरे के अच्छे दोस्त बन गए। फिर आखिर एक दिन उन्होंने शादी करने का फ़ैसला कर लिया। खबर रिश्तेदारों और दोस्तों तक पहुंची। राजीव के माता पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं। वर्षा के घरवाले पहले तो इस शादी से बहुत खुश नहीं थे। वे अपनी लड़की की शादी किसी डाक्टर या किसी इंजीनियर से करना चाहते थे। पर जब वे राजीव से मिले तो उन्हें वह बहुत पसन्द आया और उन्होंने शादी के लिए हां कह दी। शादी लखनऊ के एक मशहूर होटल में हुई। दफ़्तर के साथी, रिश्तेदार और दोस्त सभी आए थे। कम से कम चार सौ मेहमान होंगे। जब हम लोग सवा सात बजे के आसपास वहां पहुंचे, तो पाया कि राजीव और वर्षा पूजा कर रहे थे। एक मोटे से पंडित जी ज़ोर ज़ोर से श्लोक बोल रहे थे। वर्षा पीली रेशमी साड़ी में बहुत प्यारी लग रही थी। बारात में आए कुछ लोग अभी भी नाच रहे थे। एडिटर साहब तो एक कार पर खड़े होकर पंजाबी गाने गा रहे थे। शायद वे नशे में थे। सभी मेहमानों ने लड़के-लड़की को कुछ न कुछ तोहफ़ा दिया। किसी ने कपड़े दिए तो किसी ने बर्तन। कोई फूल लेकर आया तो किसी ने उनके हाथों में पैसे रख दिए। हमने उन्हें दीवार पर लगाने के लिए एक घड़ी दी। फिर पूजा ख़त्म होने के बाद सब लोग खाने की तरफ़ चल दिए। तरह तरह की स्वादिष्ट चीज़ें बनी थीं। मुझे तो पालक-पनीर की सब्ज़ी बहुत अच्छी लगी। मगर मेरी बीवी का कहना था कि दाल में मसाले बहुत ज़्यादा थे। बेचारी मिर्च-मसाले बिलकुल नहीं खा पाती। करीब पौने बारह बजे हम घर वापस लौटे। सभी को शादी बड़ी पसन्द आई। पर एडिटर साहब का गाना अजीब ज़रूर लगा..... !

Cherchez l'intrus :

i.	चम्मच	लकड़ी	गिलास	कटोरी	कांटा
ii.	दर्जी	माली	अभिनेता	अनुवादक	रिश्तेदार
iii.	पहाड़	रेगिस्तान	तालाब	मंदिर	समुद्र
iv.	पंजाब	लखनऊ	बंगलौर	आगरा	भोपाल
v.	घूमना	उठना	भेजना	बैठना	रहना
vi.	घोड़ा	ऊंट	हाथी	शेर	कबूतर